















## सम्पादक की कलम से...

## क्यासों के बादल

**झारखंड** के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से ईडी पूछताछ कर रवाना हो गयी है। इसके बाद भी यहां कायासों के बादल मंडरा रहे हैं। प्रथम दृष्ट्या पूछताछ के बाद हेमंत सोरेन पार्टी के कार्यकर्ताओं से मुख्यालिंग हुए तो पूरे रौ में दिखे। उनका मनोबल उच्चा देखने को मिला। ईडी की कार्रवाई अगर एकत्रफा होगी तो हम इसके विरोध की ताकत रखते हैं। हम जांच एजेंसी को हर तरह का सहयोग करने को तैयार हैं। जिस मामले में हमसे पूछताछ की जा रही है, उसमें उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल के पहले की भी जांच हो। एजेंसी दूध का दूध और पानी का पानी सामने लाये तो कोई परहेज नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि एजेंसियों की छापेमारी और कार्रवाई सिर्फ गैर भाजपा शासित राज्यों में ही क्यों हो रही है? क्या भाजपा शासित राज्य दूध के धुले हैं? सोरेन ने कहा कि भाजपा अपने पापों का ठिकरा वर्तमान सरकार पर फोड़ने की कोशिश कर रही है, लेकिन उनके पड़योंको हम नाकाम कर देंगे। ऐसे बयानों से पता नहीं ईडी का कितना भला होगा, लेकिन जब तक जांच चल रही है, ऐसे बयानों से बचने की जरूरत है। कारण कभी भी पुनः ईडी की दबिश बढ़ सकती है। दूसरी तरफ ईडी एक स्वतंत्र संस्था है। उसे निर्देश नहीं दिया जा सकता है। जिस प्रकार रांची में जेएमएम कार्यकर्ताओं का जुटान हुआ वह यह दर्शाता है कि राज्य के हालात ठीक नहीं हैं। बहरहाल पिछले दिनों मुख्यमंत्री आवास के पास राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे झामुमो कार्यकर्ताओं और समर्थकों का जुटान कई से भृष्टे संकेत नहीं है। द्वारकांद के अपने देश में गुलामी के दौर में सामाजिक ढांचा (विशेषकर शिक्षा व स्वास्थ्य का ढांचा) बहुत कमजोर था, जिस कारण मृत्यु दर करीब-करीब जन्म दर के बराबर थी, लिहाजा हमारी जनसंख्या बहुत धीमी रफ्तार से बढ़ रही थी। मगर आजादी मिलने के बाद सरकारों ने सामाजिक ढांचे पर खासा ध्यान दिया, जिससे हमारी मृत्यु दर गिरावट आई, पर जन्म दर बरकरार रही। नतीजतन, जनसंख्या तकरीबन 2.5 फीसदी की दर से सालाना बढ़ने लगी तथ्य यह भी है कि लोगों की आर्थिक स्थिति बेशक तेजी से बदल जाती है, पर सामाजिक सोच धीमी गति से बदलती है।

अपने देश में  
गुलामी के दैर में  
सामाजिक ढांचा  
(विशेषकर शिक्षा व  
स्वास्थ्य का ढांचा) बहुत  
कमजोर था, जिस कारण मृत्यु  
दर करीब-करीब जन्म दर के  
बराबर थी, लिहाजा हमारी  
जनसंख्या बहुत धीमी रफ्तार  
बढ़ रही थी। मगर आजादी  
मिलने के बाद सरकारों ने  
सामाजिक ढांचे पर स्खासा ध्याव  
दिया, जिससे हमारी मृत्यु दर  
गिरावट आई, पर जन्म दर  
बरकरार रही। नीतिजनन,  
जनसंख्या तकरीबन 2.5 फीस  
की दर से सालाना बढ़ने लगी  
तथ्य यह भी है कि लोगों की  
आर्थिक स्थिति बेशक तेजी से  
बदल जाती है, पर  
सामाजिक सोच धीमी  
गति से बदलती है।

व ह 1970 का दशक था, जब दुनिया की आबादी ने चार अरब के आंकड़े को छुआ था। मैं उन दिनों अमेरिका में अध्ययन कर रहा था। एक दिन न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित एक लेख पर मेरी नजर पड़ी, जिसमें फोर्ड फाउंडेशन के अध्ययन के आधार पर यह दिलचस्प जानकारी दी गई थी कि भारत में गरीब परिवारों की सामाजिक सुरक्षा उनके बच्चे हैं। ऐसे अभिभावक यह मानते थे कि भविष्य में उनकी सुरक्षा तभी सुनिश्चित हो सकेगी, जब वे कम से कम पांच बच्चे पैदा करेंगे। तभी उनके बुजुर्ग होने तक एक बच्चा जीवित रहेगा, जो उनका पालन-पोषण करेगा। चूंकि, उन दिनों कई बच्चे जन्म के तुरंत बाद मर जाते थे, इसलिए अधिक बच्चे पैदा करना आम आदत बन गई थी। अब जब विश्व की आबादी आठ अरब को पापू कर गई है, तब जनसंख्या वृद्धि द बावजूद लेकर १५ पूर्ववत की ज सामाजिकरता है दौर में र शिक्षा व कमजोर करीब- थी, लिंग थीमी र आजार्द सामाजिदिया, १५ गिरावट रही। तकरीब सालाना है कि बेशक समाजित

ने के बदलती है, क्योंकि उस पर इतिहास तारी रहता है। भारत में भी जनसंख्या वृद्धि को लेकर पुरानी सोच कायम रही, जिस कारण आपातकाल के समय जोर-जबरदस्ती से जनसंख्या नियंत्रण के प्रयास शुरू हुए। इसकी अवाम की तरफ से तेज प्रतिक्रिया हुई और आपातकाल खत्म होने के बाद लोग इसी दिशे में बढ़ चले कि बच्चे पैदा करने के मामले में राष्ट्र कोई दखल नहीं करेगा। मगर जैसे-जैसे हमारी सामाजिक-आर्थिक स्थिति अच्छी होती गई और शिक्षा का प्रचार-प्रसार बढ़ा, हमारी आबादी प्रतिस्थापन स्तर (प्रति महिला 2.1 बच्चे) पर आ गई। इसमें भी दक्षिण व पश्चिम के उन्नत राज्यों में यह राष्ट्रीय स्तर से भी कम है, जबकि बिहार, उत्तर प्रदेश जैसे उत्तरी राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर अधिक है, क्योंकि यहां गरीबी तुलनात्मक रूप से ज्याता है। जाविंग है और ताले

राष्ट्र तो अब दूसरे मुल्कों से आने वाले कामगारों पर भरोसा करने लगे हैं। चूंकि भारत में युवा आबादी तुलनात्मक रूप से अधिक है, इसलिए माना जाता है कि भारत के पास अपनी जनसांख्यिकी का लाभ उठाने का पूरा मौका है। स्पष्ट है, जनसंख्या अपने आप में समस्या नहीं है। यह मुश्किलों तब पैदा करती है, जब हाथों को काम नहीं मिलता। इससे निर्भरता औसत बढ़ जाता है। जापान, कोरिया जैसे देशों में जनसंख्या घनत्व हमसे ज्यादा है, पर वे हमसे कहीं अधिक समृद्ध हैं, क्योंकि उन्होंने हर हाथ को उत्पादक बना दिया है। वहाँ आबादी संपदा के रूप में देखी जाती है, जबकि भारत में सबसे अधिक बेरोजगारी 15 से 29 आयु-वर्ग में ही है। पिछले महीने जारी ह्यापीपुल्स कमीशनहॉ की अध्ययन-रिपोर्ट में, जिसकी अध्यक्षता मैं कर रहा था।

- अरुण कुमार, अर्थशास्त्री

## दुनिया के रंग

**य** | ह दुनिया भी बड़ी गजब है। इसे समझने के लिए किसी के पास कोई कुंजी नहीं है। बाल सफेद हो जायेंगे फिर भी दुनिया के रंग समझ से परे रहेंगे। यहाँ अच्छाइयों में खामियाँ और खामियों में अच्छाइयाँ निकालने वाले कदम पर कदम पर मिल जायेंगे। गांधी के पुजारी तो गोडसे के प्रशंसक भी मिल जायेंगे। आज कबीर होते तो उनके लिखे दोहों - काल करै सो आज कर और धीरे-धीरे रे मना में समय को लेकर विरोधाभासी स्वर के लिए उन्हें लताड़ देते। इसीलिए यह दुनिया बड़ी गजब है। जब तक उसे समझने का प्रयास करते हैं, तब वह अपनी समझ बदल लेता है। अब देखिये न यदि कोई धीरे-धीरे संयमता के साथ काम करता है तो उसे बाबा आदम के जमाने का इंसान बताकर उसकी खिल्ली उड़ाते हैं। यदि कोई बड़ी तेजी से काम करता है तो उसे कौनसी शातब्दी पकड़ना है बताकर उसका हाँसला को पस्त कर देते हैं। यदि कोई आत्मविश्वास दिखाने का साहस करता है तो उसे बड़ा अहंकारी बताकर उसका आत्मविश्वास जमीन के भीतर दफना देते हैं। यदि दुखी होता है तो उसे भीरू, कायर, डरपोक नामों से पुकारने की

चेष्टा करते हैं। यदि संभाल-संभालकर रुपया पैसे खर्च करते हैं तो उसे कंजूस कहकर उसका मजाक बनाते हैं। यदि वह रुपए-पैसे खर्च करता है तो उसे आडंबर व नौटंकी करने वाला कहते हैं। यदि वह किसी पर संदेह करता है तो उसे शक्की कहकर ताना कसते हैं। यदि वह किसी पर विश्वास करता है तो उसे भोला-नादान कहकर उसके भोलेपन का परिहास करते हैं। यदि वह किसी से लड़ने ज़गड़ने से बचता है तो उसे नामर्द या नपुंसक कहकर उसके लिंग पर प्रश्नवाचक चिह्न लगा देते हैं। यदि कोई पीड़ा में कराह उठता है तो उसे मौज-मस्ती समझने वालों की कोई कमी नहीं हैं यहाँ पर। कुल मिलाकर दुनिया वाले क्या कहेंगे के डर से कई प्रतिभा के धनी मन मसोसकर रह जाते हैं। इसलिए कहा गया है कि जिसे दुनिया पहले पागल कहती है वही आगे जाकर उनका सरताज होता है। दुनिया कदम कदम पर आपका कटाक्ष करने के लिए मौके तलाशती रहती है। इसलिए कटाक्षों की चिंता मत करो।

— ਸ਼੍ਰੀ ਕੁਲਾਲ ਮਿਸ਼ਨ ਟਾਊਂਡ  
ਮੋ. ਨਂ. 73 8657 8657

# रूपये की बदलती दुनिया

नवंबर, 2022 से दश म पहला बार भारत को डिजिटल कर दिया। यह दिने बढ़ती जा रही है। इसमें भी नकली नोटों का उपयोग शामिल होने का भारी जोखिम बना हुआ डिजिटल मुद्रा इन समस्याओं का अंत मार्ग सकती है। डिजिटल क्रांति रुपए-पैसे की दुनिया का चेहरा कैसे बदल रही है, इसकी एक मिथ्या भारत में देखने को मिलती है। वर्ष 2016 में नोटबंदी की गई थी, तब अनुमान लगाया था कि जल्द ही लोग डिजिटल भुगतान विकल्पों की ओर बढ़ेंगे। कोई शक नहीं कि पांच-छह वर्षों में देश में डेबिट और क्रेडिट बैंकिंग और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस (यूपीआइ) जैसे माध्यमों से डिजिटल भुगतान में काफ़ी ज्यादा बढ़ोतारी हुई है। इंटरनेट मोबाइल बैंकिंग, यूपीआइ और क्यूआर कोड जैसे तौर-तरीकों ने सज्जी मंडी, रेहड़ी-पालाले दुकानदारों से लेकर पांच सितारा होटल तक में भुगतान का परिवहन बदल दिया। लेकिन अब एक नई क्रांति डिजिटल मुद्रा शक्ति में होने जा रही है। भारत सरकार ने में (1 नवंबर, 2022 से) देश में पहली रुपए को डिजिटल कर दिया। सरकार के अपरिहार्य उद्देश्य परिवर्तन की विश्वासी तरफ़ परिवर्तन करना शुरू कर दी है। इस संचालन का जिम्मा नौ बैंकों को सौंपा गया। परियोजना के संतोषजनक नतीजे आने के माने के भीतर रिजर्व बैंक खुदरा स्तर पर भी डिजिटल रुपए की परियोजना शुरू कर देगा। बात मुद्रा के डिजिटल स्वरूप की होती है, तो नियंत्रण रूप से बिटकाइन जैसी आभासी मुद्रा का उल्लंघन प्रासंगिक हो जाता है। वर्ष 2009 से निजी

# आतंक

भा | रत में 18-19 नवंबर आतंकवाद के विमील का पथर साथित मोदी ने नई दिल्ली में इंटरनेट वाले देशों और संगठनों विवरण के वित्त-पोषण के खिलाफ़ अफगानिस्तान-पाकिस्तान के व्यापार ने भी दशकों से है। 9/11 के बाद सुरक्षा गया था। इसने आतंकी फैलाव के लिए कई प्रस्तावों को परिषद ने 2001 में काउंटर

पर सृजन अंतर संचालित का गई इस डिजिटल या कंप्यूटर से बनाई गई मुद्रा की ख्वाति का नतीजा यह निकला कि आज दुनिया में दस हजार से ज्यादा आभासी मुद्राएं चलन में हैं। लेकिन इनकी सबसे अहम समस्या यह है कि इनका संचालन कोई सरकारी केंद्रीय बैंक नहीं कर रहा। इसी तरह इन मुद्राओं के बदले किसी संपत्ति का समर्थन नहीं मिलता, जैसे कि आम रुपए के बदले भारतीय रिजर्व बैंक धारक को रुपए की कीमत अदा करने का वचन देता है। चौंका आभासी मुद्राओं से किसी संस्था या केंद्रीय बैंक की देयता नहीं जुड़ी है, इसलिए एकाध देशों को छोड़ कर उन्हें दुनिया में कहीं भी कानूनी मान्यता हासिल नहीं है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल सिंतंबर में अफ्रीकी देश अल सल्वाडोर ने बिटकाइन को कानूनी मुद्रा का दर्जा जरूर दिया था, लेकिन ऐसे उदाहरण गिनती के ही हैं। इन्हीं कारणों से प्रायः सभी आभासी मुद्राएं भारोसेमंद नहीं हैं। डिजिटल रुपए को लेकर भारत सरकार की ओर से आधिकारिक बयान इस वर्ष केंद्रीय बजट 2022-23 पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दिया था। उन्होंने बजट प्रस्तुत करते हुए कहा था कि भारतीय रिजर्व बैंक भी जल्दी ही डिजिटल रुपया पेश करेगा। यह भारत की अपनी केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सेंट्रल बैंक डिजिटल करंसी- सीबीडीसी) होगी। प्रस्तावित योजना के मुताबिक सीबीडीसी एक प्रकार का डिजिटल भुगतान तरीका है, जिसे भारतीय रुपए (राष्ट्रीय मुद्रा) के रूप में अंकित किया गया है। इस डिजिटल रुपए के धारक को भारत के केंद्रीय बैंक की तरफ से प्रत्यक्ष देयता का आश्वासन मिलेगा। इसमें भी सबसे उल्लेखनीय यह है कि मुद्रा के इस डिजिटल स्वरूप की कीमत भारतीय

रिजव बैक म रख भातिक नकद रुपए या उसके भंडार के बराबर ही होगी, जो डिजिटल रुपए के धारकों के लिए सबसे अहम आश्वासन है। इसका अर्थ यह है कि डिजिटल रुपए को भौतिक रुपए के समान संप्रभु गारंटी हासिल होगी। ऐसे में इसके मूल्य में समय-समय पर वही परिवर्तन हो सकता है जो आपसा, जो भौतिक नकद रुपए की मूल्य कीमत में आता है। वैसे तो ई-रुपए रिजव बैंक द्वारा जारी मुद्रा नोटों का डिजिटल रूप ही है। यानी यह बैंक नोटों से अलग नहीं है। फर्क यदि कोई है तो यह है कि डिजिटल मुद्रा होने के कारण इसके जरिए कोई भी लेन-देन बहुत त्वरित, सस्ता और आसान होगा। साथ ही भौतिक नोटों के मुकाबले इसके मुद्रण (छपाई-दलाई), वितरण और भंडारण की लागत बहुत कम होगी। पर ई-रुपए के ज्यादा लाभ सुविधा, पारदर्शिता और सुरक्षा के संबंध में है। जैसे एक सहूलियत यह होगी कि डिजिटल मुद्रा में लेनदेन होने से कारपोरेट दुनिया में मुद्रा संबंधी लेनदेन के निपटान, उनकी जानकारी और उन पर नियंत्रण आसान हो जायेगा। भारत सरकार को यह पता लगाने में सहूलियत हो जायेगी कि देश के वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में धन का प्रवाह कहां से कहां तक हुआ। इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है। आज बाजार में लगभग तीस लाख करोड़ रुपए की बड़ी राशि मौजूद है। लेकिन रिजव बैंक से लेकर सरकार और नीति-निर्धारकों तक को इसकी जानकारी नहीं है कि यह राशि लोगों के पास कब से मौजूद है और क्यों रखी हुई है। दावा है कि इससे आयकर विभाग को छिपाये जाने वाले लेनदेन का पता

र संग्रह में बढ़ोतरी होगी।  
■ अभिषेक कुमार सिंह

## संपादक के नाम पाठकों की पाती समाज पर आधिकृति का दण्डभाव

प हले शहर से लेकर गांवों में कुओं व नदी घाट पर लोग नहाने-धोने का काम किया जाता था। आधुनिक जीवन शैली ने लोगों के कमज़ोर में बंद होकर खान व कपड़ा धोने का मजबूर कर दिया है। आज लगभग सभी पक्षे मकानों में पानी टंकी छत पर दिखाई देती है। इससे लोगों को तो सुविधा मिली, लेकिन हर दिन लाखों लीटर पानी उस टंकी में चढ़ा दिया जाता है। इसका असर धीरे-धीरे ऐसा हुआ कि आज जल स्तर काफी नीचे चला गया है। कुओं को शहरों में अनुपयोगी मानकर उसे ढक दिया गया है। साथ ही वहां पर दुकानें बना दी गई हैं। बुनियार्दी रूप से हम अपनी समस्याओं के खुद ही पैदा करने वाले हैं। ऐसे में हमें वापस उन्हीं दौर में लौटना होगा जब एक कुएं व चापानल से लगभग पूरा मुहळा स्नान कर लेता था और घर के काम के लिए एक या दो बाल्टी पानी ढोकर अपने घर ले जाया करता था। आधुनिकता के लाभ ने हमें इन सब के बारे में विचार करने का मौका ही नहीं दिया। आज हालत हैं कि लोग पानी संकट से ज़दू रहे हैं। साथ ही प्राकृतिक प्रदत्त सुविधाएं कम होती जा रही हैं। पेड़-पौधों को काटकर हम कूलर व एयर कंडीशन की हवा खा रहे हैं। सच बात यह है कि गांव के पीपल की छाँव में बैठकर जो शांति व सकून मिलता था वह एक बारे में फैला कर एक प्राकृतिक विश्व ही रही है।

में नहीं मिलती है।

आतंकवाद के वित्त-पोषण पर चौतरफा फंदा कसना होगा।

**भा** | रत में 18-19 नवंबर को 'नो मनी फॉर टेररिज्म' पर सम्पेलन मील का पथर साबित होगा। 18 अक्टूबर को प्रधानमंत्री ने देंद्र मोदी ने नई दिल्ली में इंटरपोल की 90वीं आम सभा में भाग लेने वाले देशों और संगठनों के 195 प्रतिनिधियों के सामने आतंकवाद के वित्त-पोषण के खिलाफ ठोस कार्रवाई की अपील की थी। अफगानिस्तान-पाकिस्तान के विशाल क्षेत्र में अवैध नशीले पदार्थों के व्यापार ने भी दशकों तक आतंकवाद को वित्त-पोषित किया है। 9/11 के बाद सुरक्षा परिषद को कार्रवाई के लिए प्रेरित किया गया था। इसने आतंकी वित्तीय प्रवाहों को रोकेने या बाधित करने के लिए कई प्रस्तावों को अपनाया। नतीजे अच्छे रहे हैं। सुरक्षा परिषद ने 2001 में काउंटर टेररिज्म कमेटी (सीटीसी) की स्थापना आतंकवाद से संबंधित प्रस्तावों के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए, और उसमें भी विशेष रूप से वित्त-पोषण पर नजर रखने के लिए की थी। इसके वर्तमान अध्यक्ष के रूप में भारत ने हाल में समिति की पहली बैठक की मेजबानी की है। 29 अक्टूबर को जारी दिल्ली घोषणापत्र ने आतंकी वित्त-पोषण के लिए क्राउडफंडिंग प्लेटफॉर्म सहित वित्तीय तकनीक, उत्पादों और सेवाओं के दुर्भावनापूर्ण उपयोग की ओर ध्यान आकर्षित किया।

है। जी 7 द्वारा 1989 में बनाई गई फाइरेंशियल एक्शन टास्टी फोर्स (एफएटीएफ) को 2001 में एक मानक बनाने और मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से आतंक के विच-पोषण पर अंकुर लगाने के लिए बनाया गया था। अलग-अलग देशों ने भी वित्ती खुफिया इकाइयों का गठन किया। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है कि इन उपायों से आतंकी गतिविधियों पर शिकंजा कर सकता है। एफएटीएफ के चलते ही जून 2018 में पाकिस्तान को ग्रे सूची में डाला गया था। एफएटीएफ ने वैश्विक एंटी-मालाडिरिंग (एमएल) और आतंकवाद विरोधी वित्त पोषण (सीएफटी) के मानक तय किए। हालाँकि, आतंकवाद की एक आम परिभाषा तक पहुंचने में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नाकामी इस दिशा में तरकीब बाधित होती है। गृह मंत्री अमित शाह ने नियमित दिल्ली में इंटरपोल सम्मेलन के समापन सत्र में इस पहलू पर प्रकाश डाला था। पाकिस्तान और कुछ अन्य राष्ट्र आतंकवाद नेटवर्क को स्वतंत्रता आंदोलन के रूप में बताते रहे हैं। बीते दो दशकों में अफगानिस्तान में मची उथल-पुथल ने पाकिस्तान विदेशी शिकारी कुत्तों के साथ शिकार करने और खरगोशों के साथ भारी निकलने का पूरा मौका दिया है। इस्लामाबाद ने अच्छे आतंकियों और बुरे आतंकियों के बीच अंतर किया है, भारत के खिलाफ

युद्ध लड़ने वालों का समर्थन किया है। आतंकी वित्त-पोषण की जड़ें गहरी हैं, पर पाकिस्तान जितनी गहरी कहीं नहीं। जब तक पाकिस्तान में वैश्विक आतंकवादी नेटवर्क व वित्त-पोषण को समाप्त नहीं किया जाता, तब तक आतंकवाद पर काबू पाना मुश्किल होगा। पाकिस्तान आतंकियों की नकेल कसने का हिमायती नहीं है। चीन की जल्दबाजी और एफएटीएफ की ग्रे सूची से पाकिस्तान को हटाने से आतंकवाद को खत्म करने का वैश्विक प्रयास काफी कमजोर हुआ है। सर्दिंगढ़ इतिहास के बावजूद पाकिस्तान के आश्वासनों को दुनिया ने स्वीकार कर लिया है। आज प्रौद्योगिकी, क्रिप्टोकरेंसी, डिजिटल वित्तीय तंत्र की कमियों को दूर करने की जरूरत है। दुनिया भर की खुफिया एजेंसियों और कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने वाली एजेंसियों को परस्पर मिलकर काम करना चाहिए। दिल्ली घोषणापत्र ने सभी सदस्य देशों से आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता अपनाने का आग्रह किया है। भारत क्षेत्रीय स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ फंदा कसने के लिए, रूस द्वारा स्थापित यूरोशियन समूह के समान एक क्षेत्रीय एफएटीएफ निकाय की स्थापना का प्रस्ताव कर सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

— કૃતા-પાવનાય, કૂદ જરા-પાવના

# सबरंग

डालटनगंज (मेदिनीनगर), सोमवार 21 नवम्बर 2022

# पुष्पों का चिकित्सीय उपयोग



- वैद्य हनेश कुमार दुबे  
पतंगी आरोग्य केन्द्र  
रेडगो चॉक, डालटनगंज,  
पलामू, झारखण्ड।

यह है कि पुष्प-चिकित्सा कोई दुष्प्रभव नहीं होते। फूलों को शरीर पर धारण करने पर से शरीर की शोधा, मिन्दर्य और श्री की वृद्धि होती है। उनकी सुगन्धि रोग कांक्षी भी है। फूल के सुगन्धित अहसास कराते हैं और मस्तिक से अलग-अलग हिस्सों पर अनन्न प्रभाव दिखाकर मधुर उत्तेजना-सा अनुभव करते हैं। पुष्प की सुगन्धि का मस्तिक, हृदय औंख, कान तथा पाचन क्रिया आदि पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है ये थकन को तुरंत दूर करते हैं। इनकी सुगन्धि से की गई उपचार प्राणियों का एपोमा थेरेपी कहा जाता है। यहां कुछ पुष्पों के संक्षेप में आपशीय प्रयोग दिये गए हैं, सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त करके उनसे लाभ उठाया जा सकता है।

**कमल :** कमल और लालमी का संबंध अविभाज्य है। कमल सूचित की वृद्धि का धोतक है। इसके पारा से मधुमक्खी शहद तो बनाती ही है, इसके फूलों से तैयार किये गये गुलकन्द का उपयोग प्रत्येक प्रकार के रोगों में तथा कब्जे के निवारण-हेतु किया जाता है।

कमल के फूल के सिरकर से निकलते हैं, जिन्हे भूनकर मधुवने बनाये जाते हैं, परन्तु उनको कच्चा छीलकर खाने से आज एवं रोगों का शमन किया जा सकता है।

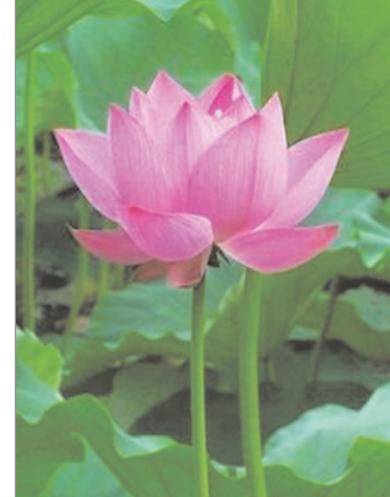
फूलों के रस से तैयार किया गया लेप वाष्ठ

रूप से त्वचा पर लगाने से उसकी सुगन्धि हृदय तथा नासिका तक अपना प्रभाव दिखाकर मन को आनन्दित कर देती है। सबसे अच्छी बात

पर मलने से चेहरे की सुन्दरता बढ़ती है।

**केवड़ा :** इसकी गंध कस्तुरी-जैसी

मोहक होती है। इसके पुष्प



दुर्गन्धनाशक तथा उन्नादक हैं। केवड़े का तेल उत्तेजक श्वस विकार में लाभकारी है। इसका इत्र सिरदर्द और गठिया में उपयोगी है। इसकी मंजरी का उपयोगी पानी में उबालकर कुट्ट, चेचक, खुजली तथा हृदय रोगों में स्नान करके किया जा सकता है। इसका अर्क पानी में डालकर पीने से सिरदर्द तथा थकन दूर होती

है। बुखार में एक बूंद देने से पसीना आता है। इसका इत्र दो बूंद कान में डालने से कान में दर्द ठीक हो जाता है।

**गुलाब :** गुलाब का पुष्प सौर्दृश्य स्वेह एवं प्रेम का प्रतीक है। इसका गुलकन्द रेवक है जो, पेट, और ओंतों की गर्मी शान्त करके हृदयगूण प्रसन्नता प्रदान करता है। गुलाब जल से अंगों को धोने से आंखों की लाली तथा सूसन कम होती है।



गुलाब का इत्र उत्तेजक होता है। तथा इसका तेल मस्तिष्क को ढंगा करके बाले खोलने वाले बच्चे जो गर्मी से पीड़ित हो, उहें एक एक चम्चच कई बाद दें। इससे उनके पेट की पीड़ा शांत होगी। तथा दांत भी ठीक प्रकार से निकलेंगे।

**गंदा :** गंदरिंग के मच्छरों का प्रकोप दूर करने

के लिये यह गंदे की खेती गंदे नालों और घर

के आस-आप की जाया तो इसकी गंध से मच्छर दूर भाग जाते हैं। लोबर की लीबर की

सूजन, पर्याप्त एवं चम्रींगों में इसका प्रयोग किया

जाता है। दूध या पान के साथ इसका सेवन

करने से यह अत्यन्त आज़्र, खबल, शक्ति एवं

स्फुरन्ति को बढ़ाता है।

**ब्लेला :** यह अत्यधिक सुगंधयुक्त पुष्प है। यह

गर्मी में अधिकता से पूलने वाला पौधा है। ब्लेले का आसव सेवन कराकर स्त्रियों की अधिकांश बीमारियों को ठीक किया जा सकता है।

**ढाक :** ढाक को अप्रतिम सौंदर्य का प्रतीक माना जाता है। ब्लेले के उपयोग से गुच्छेंगर भूल बहुत दूर से ही आकर्षित करते हैं। इसी आकर्षण के कारण इसे वन की ज्योति भी कहते हैं। इसका चूर्चा टंड तक स्थानों को पीथ कर देती है। इसका पुष्प प्रयोग: सान्ध्यकाल से लेकर अर्धाहारि के कुछ पूर्वतक सुगंध अधिक देता है, परन्तु इसके बाद धीरे-धीरे क्षीण होने लगता है। इसकी गंध से मच्छर नहीं आते। इसकी गंध मादक और निनावयक होता है। इसके पुष्प मधुमेह में काफी अच्छा प्रभाव दर्शाता है।

सूजमुखी : इसमें विटामिन ए तथा डी होता

है। यह अत्यन्त वृक्ष भी कहलाता है। इसके

फूल, छाल तथा पत्तियां स्त्रियों के अनेक रोगों

में औषधि के रूप में उपयोगी हैं। इसकी छाल

का आसव सेवन कराकर स्त्रियों की अधिकांश

बीमारियों को ठीक किया जा सकता है।

**चम्पा :** चम्पा के पुष्पों को पीसकर कुष्टरोग

के बर्तन में उबाले। पानी को ठंडा करके बात

निकलने वाले बच्चे या छोटे बच्चे जो गर्मी से

पीड़ित हो, उहें एक एक चम्चच कई बाद दें।

इससे उनके पेट की पीड़ा शांत होगी। तथा दांत

भी ठीक प्रकार से निकलेंगे।

**चम्पा :** चम्पा के पुष्पों को पीसकर कुष्टरोग

के बर्तन में उबाले। पानी को ठंडा करके बात

निकलने वाले बच्चे या छोटे बच्चे जो गर्मी से

पीड़ित हो, उहें एक एक चम्चच कई बाद दें।

इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

कहते हैं। इसका चूर्चा टंड के लिये यह गंदे की ज्योति भी

# KASHYAP'S DENTAL CLINIC



**Dr. Vaibhav Kashyap**

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

"Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए  
50% की छूट



- ❖ आरसीटी
- ❖ पायरिया का ईलाज
- ❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- ❖ स्माईल डिजाइन
- ❖ इनविजिवल क्लिप

## Facilities

- ❖ दंत रोपण
- ❖ फिक्स दाँत लगाना
- ❖ अत्यधिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

### CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi

Contact No. : 9199533383, 7903835453

Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm

Sunday : 9 am to 2 pm

E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

## न्यूज गैलरी

द्रौपदी मुर्मू की दाहिनी आंख की हुई सफल सर्जरी

नवी दिल्ली (एजेंसी)। आर्मी हॉस्पिटल रिसर्च एंड रेफरल में रविवार को

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की दाहिनी आंख की सफल सर्जरी हुई।

महामहिम द्रौपदी मुर्मू

मोतियाबिंद से जूँ रही थी। इस

ऑपरेशन को ड्रिगरियर एसेंसी मिश्र और उनकी टीम ने सफल रहके से अंजाम दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है।

बता दे कि इससे पहले 16 ऑक्टोबर

को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के मोतियाबिंद

का सफल ऑपरेशन सना के रिसर्च

एंड रेफरल अस्पताल में हुआ था।

राष्ट्रपति भरन के प्रत्यक्ष एक ब्यान में द्वारा आंख की दाहिनी आंख की सफल रहा और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दी गई है। सेना अस्पताल में बताया कि राष्ट्रपति को आराम करने की सलाह दी। 64 वर्षीय मुर्मू ने 25 जुलाई 2022 को भरन के 15वें राष्ट्रपति के रूप में शाश्वत ली थी।

पंजाब में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास दिखे दो ड्रोन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में

गुदामपुर जिले के कस्तोवाल

इलाके में भारत और पाकिस्तान के बीच अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास एक

पाकिस्तानी ड्रोन देखा गया।

अधिकारियों ने रविवार को बताया कि

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ)

के जवानों ने जब शिवायर रात ड्रोन पर गोलियां चलायी तो यह पाकिस्तानी सीमा की ओर लौट गया। उन्होंने कहा कि बीएसएफ कर्मियों ने ड्रोन पर कम से कम 96 गोलियां चलायी और पांच रोशनी बम भी फेंके।

उन्होंने कहा कि खोज अभियान चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि

अमृतसर जिले के चन्ना पठान इलाके में शिवायर रात 11 बजकर 46 मिनट

पर एक अन्य ड्रोन देखा गया।

बीएसएफ के जवानों ने उस पर 10

गोलियां चलायी जिसके बाद ड्रोन

वापस चला गया। उन्होंने कहा कि

तलाश अभियान जारी है।

श्रीनगर में तीन हाइब्रिड

आतंकवादी गिरफ्तार

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर की

ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में तीन

हाइब्रिड आतंकवादीयों को गिरफ्तार

किया गया है। पुलिस ने रविवार को

यह देखा कि उन्होंने नियमित

प्रवास किया था। उन्होंने कहा कि

तीन हाइब्रिड आतंकवादीयों को श्रीनगर के

बाहर नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि

उन्होंने नियमित रूप से आतंकवादी

साधना बैंकट हॉल का हुआ शुभारंभ



रांची । खादगढ़ा मिलन थोक हनुमान मंदिर के सामने साधना बैंकट हॉल का शिविर को उद्घाटन मुख्य अतिथि शासन रांची संजय सेठ एवं विधायक रांची सी पी. निश्चिन्ता ने इन काटकर किया इस मौके पर विशिष्ट अतिथि छात्र वर्क ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा, समाजसेवी, फिरंगी साव, मुकेश मुका, विजय कुमार गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोगों और भौजुंथ थे। भौजे के पर साधना बैंकट हॉल के निवेशक दिलीप कुमार गुप्ता ने बताया इस काटक के लोगों की आशवासिताओं को देखते हुए एक आधिनिक सुख सुविधाओं से युक्त यह बैंकट हॉल स्थापित किया गया है, जहां कम स कम दर पर ग्राहकों के लिए मैरिन हॉल, सेमिनार हॉल एवं आवासीय रूम की सुविधाएं उपलब्ध रहती हैं। वहीं प्रबंधक निश्चिन्ता कुमार गुप्ता एवं सज्ज देवी ने बताया शान्तिपूर्ण माहोल में बताया गया इस बैंकट हॉल में ढरने वाले लोगों के लिए हर सुविधाओं का खाल रखा जाएगा।

**सरकारी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाना हमारा उद्देश्य : निशांत यादव**



रांची । रविवार को वार्ड 29 के केशव नगर में समाजसेवी निशांत यादव द्वारा वृद्ध पेसन, आयुष्मान कार्ड, गोरत कार्ड इत्यादि के लिए कैफ्य का आयोजन कर लोगों को नि:शुक्त सेवा प्रदान किया गया। आज कैफ्य में लाभग्रा 20 वृद्धा पेसन, 15 आयुष्मान कार्ड एवं 50 के लाभग्रा गोरत कार्ड बनवाया गया। निशांत यादव ने बताया की विगत दो वर्षों से इस तरह का सैंकड़ कैफ्य आयोजित कर वार्ड के प्रत्येक गली-मोहल्लों में इन योजनाओं का लाभ-घ-घत पहुंचाने का कार्य किया गया है। अब तक हजारों लोग सरकार के इन योजनाओं का लाभ हमारा माध्यम से ले रहे हैं। आगे भी ये अभियान जारी रहेगा। आज कैफ्य में सुख रूप से हिंदू जागरण मंत्र के प्रदेश उपाध्यक्ष सुनीत सिंह, अशोक पांडे, सुनील वर्णवाल, संजय तिवारी, कृष्णा विधायक, विद्युत पम्पार, अर्पित सिंह, राहित पांडे, कृष्णाल वर्णवाल, अकिन तिवारी, पूर्ण सिंह, वारु शर्मा, अरविंद गुप्ता सहित मोहल्ले के लोग उपस्थित रहे।

**सभी 53 वार्ड के सदस्यों का चिन्हितकरण कर प्रत्येक वार्ड में एक वार्ड समिति का निर्माण होगा**

रांची । रविवार को रांची नगर निगम सिटीजन फोरम की एक ऑनलाइन बैठक आयोजित हुई, जिसके अंतर्गत नगर निगम से जुड़े समस्याओं और आगे वाले नगर निगम चुनाव पर विस्तृत चर्चा का कई निर्णय लिए गए। अपी सिटीजन फोरम के तहत बने छात्र संघ गुप्त में 503 वर्षीय युद्ध हुए हैं, जिनके मध्य से सभी 53 वार्ड के सदस्यों का चिन्हितकरण कर प्रत्येक वार्ड में एक वार्ड-समिति का निर्माण किया जाएगा, जिसके एक संयोजक मनोनीत होंगे, जो अपने टीम के साथ अपने वार्ड के समस्याओं को इंगित करेंगे और वार्ड के निवासियों को सिटीजन फोरम के उद्देश्यों एवं रांची नगर निगम में व्यापार समस्याओं और उके समाजों के सभी 53 वार्ड के लोगों तो इन 53 वार्ड-समितियों के माध्यम से जागरूक करने का कार्य करेगा और प्रत्येक रविवार सिटीजन फोरम की एक नियमित ऑनलाइन मीटिंग आहुत की जाएगी। आज की मीटिंग के अध्यक्षता दीपेश कुमार निराला ने की ओर मीटिंग में स्वामी दिव्यानंद, विवेक कुमार महारथी, वरदन सिंह, रणज्ञा तिवारी, मनोज कुमार मिश्रा, प्रमेत कुमार जयसवाल, कौशल वैधवी, प्रवीण कुमार, कृष्णा श्री सहित कई लोगों ने भाग लिया। मीटिंग का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन अधिकारी विवेक कुमार महारथी ने किया।

**नागरमल मोदी सेवा सदन में फ्री में ग्राम अर्थों कैम्प सफलता पूर्वक संपन्न**

रांची । नागरमल मोदी सेवा सदन में रविवार को फ्री में ग्राम अर्थों कैफ्य प्रत: 10:30 बजे से अपराह्न 03:00 बजे तक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कैफ्य में हड्डी रोग से संबंधित ज्ञारखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों से मरीजों ने आकर सदन के हड्डी रोग सेवा प्रशंसन द्वारा दिलाई गई अवधिकारी के बारे में विशेषज्ञ विवरण दिया। ज्ञारखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों की आपस में विवरण दिया गया।

शिविर का शुभारंभ डाक्टरों एवं प्रबंधन द्वारा दीप प्रज्ञवलन संयुक्त रूप से किया गया। इस मौके पर सदन के मानद सचिव आशीर्व मोदी ने 20% की छूट दी गई, जिसका लाभ लोगों ने उठाया, अल्केम बर्गें, जाइडस सीनोविया और एलोमिक



रोगियों को कियी तरह के अपेंशेन या सर्जरी होने पर 20% की विशेष शूरीक परिस्त टेस्ट करनावया गया। जेन ने शिविर से सम्बंधित स्वरचित गान गाकर डाक्टरों सहित सभी को प्रेरित किया। वैश्वानिकजिकल जांच एवं एक्स-रोगियों को कैफ्य किया। वैश्वानिकजिकल जांच एवं एक्स-रोगियों को कैफ्य किया। ज्ञारखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों के अन्य वार्डों ने उठाया। कैफ्य में सदन के अध्यक्ष अरुण छावदारिया, मानद सचिव आशीर्व मोदी, उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा जैन, सहायक सचिव वेद प्रकाश बागला एवं पवन शर्मा, निवर्तमान अध्यक्ष राज्यालय गोपनीया की विशेषज्ञ विवरण दिया।

## दो दिवसीय ज्ञारखण्ड पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप का हुआ सम्पन्न



रांची । नवीन मेल संवाददाता रांची । 10वें सब जूनियर एवं जूनियर (बालक) नाइन एस. साइड राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता का अंतिम 28 से 30 नवम्बर तक तुरुंगोता यात्रा रही है, जिसके अंतर्गत उत्तरवाल उत्तरवाल अंतिम दिन बालों द्वारा जीता जाएगा। इसके बाद उत्तर संत पैल कॉलेज के पास आगे बढ़ाया जाएगा।

**नवीन मेल संवाददाता**

रांची । 10वें सब जूनियर एवं जूनियर (बालक) नाइन एस. साइड राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता का अंतिम 28 से 30 नवम्बर तक तुरुंगोता यात्रा रही है, जिसके अंतर्गत उत्तरवाल उत्तरवाल अंतिम दिन बालों द्वारा जीता जाएगा। इसके बाद उत्तर संत पैल कॉलेज के पास आगे बढ़ाया जाएगा।

**नवीन मेल संवाददाता**

रांची । 10वें सब जूनियर एवं जूनियर (बालक) नाइन एस. साइड राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता का अंतिम 28 से 30 नवम्बर तक तुरुंगोता यात्रा रही है, जिसके अंतर्गत उत्तरवाल उत्तरवाल अंतिम दिन बालों द्वारा जीता जाएगा। इसके बाद उत्तर संत पैल कॉलेज के पास आगे बढ़ाया जाएगा।

**नवीन मेल संवाददाता**

रांची । 10वें सब जूनियर एवं जूनियर (बालक) नाइन एस. साइड राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता का अंतिम 28 से 30 नवम्बर तक तुरुंगोता यात्रा रही है, जिसके अंतर्गत उत्तरवाल उत्तरवाल अंतिम दिन बालों द्वारा जीता जाएगा। इसके बाद उत्तर संत पैल कॉलेज के पास आगे बढ़ाया जाएगा।

**नवीन मेल संवाददाता**

रांची । 10वें सब जूनियर एवं जूनियर (बालक) नाइन एस. साइड राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता का अंतिम 28 से 30 नवम्बर तक तुरुंगोता यात्रा रही है, जिसके अंतर्गत उत्तरवाल उत्तरवाल अंतिम दिन बालों द्वारा जीता जाएगा। इसके बाद उत्तर संत पैल कॉलेज के पास आगे बढ़ाया जाएगा।

**नवीन मेल संवाददाता**

रांची । 10वें सब जूनियर एवं जूनियर (बालक) नाइन एस. साइड राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता का अंतिम 28 से 30 नवम्बर तक तुरुंगोता यात्रा रही है, जिसके अंतर्गत उत्तरवाल उत्तरवाल अंतिम दिन बालों द्वारा जीता जाएगा। इसके बाद उत्तर संत पैल कॉलेज के पास आगे बढ़ाया जाएगा।

**नवीन मेल संवाददाता**

रांची । 10वें सब जूनियर एवं जूनियर (बालक) नाइन एस. साइड राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता का अंतिम 28 से 30 नवम्बर तक तुरुंगोता यात्रा रही है, जिसके अंतर्गत उत्तरवाल उत्तरवाल अंतिम दिन बालों द्वारा जीता जाएगा। इसके बाद उत्तर संत पैल कॉलेज के पास आगे बढ़ाया जाएगा।

**नवीन मेल संवाददाता**

रांची । 10वें सब जूनियर एवं जूनियर (बालक) नाइन एस. साइड राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता का अंतिम 28 से 30 नवम्बर तक तुरुंगोता यात्रा रही है, जिसके अंतर्गत उत्तरवाल उत्तरवाल अंतिम दिन बालों द्वारा जीता जाएगा। इसके बाद उत्तर संत पैल कॉलेज के पास आगे बढ़ाया जाएगा।

**नवीन मेल संवाददाता**

रांची । 10वें सब जूनियर एवं जूनियर (बालक) नाइन एस. साइड राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता का अंतिम 28 से 30 नवम्बर तक तुरुंगोता यात्रा रही है, जिसके अंतर्गत उत्तरवाल उत्तरवाल अंतिम दिन बालों द्वारा जीता जाएगा। इसके बाद उत्तर संत पैल कॉलेज के पास आगे बढ़ाया जाएगा।

**नवीन मेल संवाददाता**

रांची । 10वें सब जूनियर एवं जूनियर (बालक) नाइन एस. साइड राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता का अंतिम 28 से 30 नवम्बर तक तुरुंगोता यात्रा रही है, जिसके अंतर्गत उत्तरवाल उत्तरवाल अंतिम दिन बालों द्वारा जीता जाएगा। इसके बाद उत्तर संत पैल कॉलेज के पास आगे बढ़ाया जाएगा।

**नवीन मेल संवाददाता**

रांची । 10वें सब जूनियर एवं जूनियर (बालक) नाइन

